आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 94 | उज्जैन, सोमवार 24 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

बागेश्वर धाम आस्था के केंद्र के साथ आरोग्य का केंद्र बनता जा रहा है - प्रधानमंत्री

कैंसर अस्पताल में सुविधा से वंचित कैंसर रोगियों को मिलेगा मुफ़्त इलाज

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि लोगों को किफ़ायती और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। लोगों को इलाज के खर्चे से निजात दिलाना हमारी ज़िम्मेदारी है। समाज के हर वर्ग के लिये बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिये सरकार निरंतर कार्य कर रही है। यह बात प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छतरपुर ज़िले के गढ़ा में 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले श्री बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एण्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट के शिला पूजन समारोह में कही।

शिला पूजन समारोह में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा, संत श्री रामभद्राचार्य, पीठाधीश्वर बागेश्वर धाम पं. श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री, राष्ट्रीय कथा व्यास साध्वी ऋतम्भरा दीदी, महंत श्री बालक योगेश्वर दास जी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत बुंदेलखंडी बोली में लोगों को मोरी तरफ से दोई हाथ जोड़ के राम राम कहकर की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पिछले 60 दिनों में दूसरी बार वीरों की धरती पर आने का सौभाग्य मिला है। बागेश्वर धाम आस्था का केंद्र तो है ही अब वह आरोग्य का केंद्र भी बनने जा रहा है। श्री बागेश्वर धाम जन सेवा समिति के प्रयासों से यहाँ कैंसर अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। पंडित श्री धीरेंद्र शास्त्री का यह कार्य पुनीत होकर अभिनंदनीय है। उन्होंने बुंदेलखंड के लोगों को इसके लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 30 वर्ष एवं उससे अधिक की आयु के युवाओं से अपने स्वास्थ्य की जाँच कराने का आव्हान किया और कहा कि ज़रा भी शंका हो तो स्वास्थ्य संस्थान जाकर अवश्य जाँच कराए। इस बीमारी का मुख्य कारण बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, पान मसाले का सेवन है। इन घातक नशों से आपको और अन्य को दूर रखना होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले देश में ग़रीब व्यक्ति बीमारी से ज्यादा इलाज में होने वाले खर्च से डरता था। उन्होंने गरीबों की इसी चिंता को दूर करने के लिये आयुष्मान भारत योजना प्रारंभ की। अब इस योजना में गरीबों को 5 लाख रुपये तक का निश्शुल्क उपचार उपलब्ध हो रहा है।

भारत को असहज करने से बाज नहीं आ रहे ट्रंप, पारस्परिक कर लगाने की धमकी फिर दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वैसे तो खुद को भारत और पीएम नरेन्द्र मोदी का शुभचिंतक करार देते हैं। लेकिन, दोबारा सत्ता में आने के बाद वह जिस तरह के बयान दे रहे हैं वह भारत सरकार को लगातार असहज करने वाला है।

भारत पर पारस्परिक कर लगाने की नए सिरे से धमकी दी- शुक्रवार को उन्होंने एक तरफ जहां अमेरिकी एजेंसी यूएसएड की तरफ से भारत में की जाने वाली फंडिंग को लेकर हाल के दिनों में चौथी बार बयान दिया तो दूसरी तरफ भारत और चीन को अमेरिका की तरफ से पारस्परिक कर लगाने की नए सिरे से धमकी दी।

यही नहीं व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी की है, उसमें भी भारत को उन देशों की सूची में रखा गया है, जो अमेरिकी आयात पर बहुत ज्यादा सीमा शुल्क लगाते हैं। भारत ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से आ रहे इन बयानों पर कोई भी टिप्पणी नहीं की है।

यूएसएड की फंडिंग पर ट्रंप ने पीएम मोदी को लेकर कही ये बात

वाशिंगटन में गवर्नर्स वर्किंग सेशन को संबोधित करते हुए यूएसएड की फंडिंग पर ट्रंप ने कहा कि 2.1 करोड़ डॉलर मेरे मित्र मोदी को गया। भारत में वोट टर्नआउट (मतदान प्रतिशत बढ़ाने) के लिए इतनी राशि दी गई।

घुटनों तक कीचड़, पूरी तरह से ढही सुरंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना सुरंग हादसे में बचाव अभियान में जुटी टीम को बड़ा झटका लगा है। सुरंग पूरी तरह से ढह चुकी है। घुटनों तक कीचड़ भरा है। इस वजह से सुरंग के अंदर जाना बेहद मुश्किल हो रहा है। अब बचाव टीम अन्य विकल्प की तलाश में जुटी है।

उधर, भारतीय सेना ने अपने इंजीनियर टास्क फोर्स को भी अलर्ट रखा है। सुरंग के अंदर आठ लोगों के फंसे होने की आशंका है। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें जुटी हैं।

शनिवार की सुबह हुआ हादसा- एसडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि सुरंग के अंदर जाने का कोई विकल्प नहीं है। सुरंग पूरी तरह से ढह चुकी है। घुटनों तक कीचड़ है। हमें अन्य विकल्प पर काम करना होगा।

बता दें कि शनिवार की सुबह तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग का निर्माणाधीन तीन मीटर हिस्सा ढह गया है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से सुरंग का काम लटका था। काफी समय बाद दोबारा शुरू किया गया तो चार दिन बाद ही यह दर्दनाक हादसा हो गया।

दुनिया के इन 10 देशों का है सबसे अधिक रक्षा बजट, रिपोर्ट में पहले नंबर पर अमेरिका; जानिए कहां खड़ा है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 में विश्व रक्षा बजट आसमान छू रहा है क्योंकि टॉप राष्ट्र सैन्य खर्च बढ़ा रहे हैं। दुनिया भर के देश अपनी सेना को मजबूत कर रहे हैं, हाई तकनीक वाले इक्यूपमेंट खरीद रहे हैं और रणनीतिक स्थानों को मजबूत कर रहे हैं। रक्षा प्रणालियों से लेकर बढ़ते नौसैनिक बेड़े तक, राष्ट्र वैश्विक खतरों को बदलने के लिए कमर कस रहे हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज की एक रिपोर्ट ने इसको लेकर एक खुलासा किया है। साल 2024 में रक्षा क्षेत्र में वैश्विक व्यापार 2.46 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। इसी रिपोर्ट के माध्यम से पता चला कि साल 2023 में रक्षा व्यापार 2.24 ट्रिलियन डॉलर थी।

इस दौरान पता चला कि रक्षा बजट वैश्विक जीडीपी 1.9 फीसद हो गया। जबकि साल 2022 में 1.6 फीसद और 2023 में 1.8 फीसदी से अधिक है।

रक्षा बजट 2025 - संयुक्त राज्य अमेरिका का रक्षा बजट सबसे ज्यादा है, जो $895,000,000,000 ($895 बिलियन) है

चीन का $266,850,000,000 ($266.85 बिलियन)

रूस का $126,000,000,000 ($26 बिलियन)

भारत का $75,000,000,000 ($75 बिलियन)

सऊदी अरब का का $74,760,000,000 ($74.76 बिलियन)

यूनाइटेड किंगडम का $1,500,540,000 ($71.5 बिलियन)

जापान का $57,000,000,000 ($57 बिलियन)

ऑस्ट्रेलिया का $55,700,000,000 ($55.7 बिलियन)

मणिपुर राज्यपाल की अपील के बाद लूटे गए हथियार लौटा रहे हैं लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की अपील के बाद राज्य के चूड़चंदपुर जिले के टुइबोंग गांव में 16 उन्नत हथियार और बड़ी मात्रा में गोलाबारूद लौटाए गए हैं। राज्यपाल ने लूटे गए हथियार और गोलियां लौटाने की अपील की थी।

समुदाय के नेताओं को सुरक्षा का भरोसा- रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि राज्यपाल की अपील के बाद असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, राज्य की गुप्तचर एजेंसियां और नागरिक प्रशासन स्थानीय कुकी-जो समुदाय के नेताओं के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। समुदाय के नेताओं को उनकी सुरक्षा चिंताओं का समाधान, सुरक्षा उपलब्ध कराने का भरोसा दिया जा रहा है।

अधिकारी ने कहा कि समुदाय के नेताओं ने स्वैच्छिक रूप से बड़ी संख्या में हथियार और गोलियां सौंप दी हैं। यह शांति कायम करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

हथियार और गोलियां के साथ पांच आईईडी बरामद- मणिपुर के इंफाल पश्चिमी जिले में इबुडोउ कोउब्रु लैबंग (मंदिर) क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने मैगजीन के साथ एक प्वाइंट 303 राइफल और 10 जीवित राउंड, मैगजीन के साथ एक सीमएजी और 10 जीवित और छह मिसफायर राउंड गोलियां जब्त की हैं। सुरक्षा बलों ने घाटी जिलों के पहाड़ी और नाजुक क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। एक अन्य तलाशी अभियान में टेंगनौपाल जिले के एच मुन्नोम गांव में पुलिस को पांच आईईडी मिली।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर केंद्र सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की गई है। याचिका में नागरिकता संशोधन अधिनियम-2019 (सीएए) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाने की भी मांग की गई है ताकि हिंसा के चलते भारत में प्रवेश करने वाले हिंदुओं को इसका लाभ मिल सके। यह याचिका लुधियाना के व्यवसायी और समाजसेवी राजेश ढांडा द्वारा दायर की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में की पूजा, कैंसर अस्पताल की रखी नींव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले स्थित बागेश्वर धाम बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर में भगवान बालाजी के चरणों में श्रद्धा अर्पित की और प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की।

पीएम मोदी ने बागेश्वर धाम मेडिकल और साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट का रखा नींव - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम मेडिकल और साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर का शिलान्यास किया।इस अस्पताल का निर्माण 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। यह अस्पताल विशेष रूप से गरीब और जरूरतमंद कैंसर रोगियों के लिए मुफ्त इलाज मुहैया कराएगा।

उन्नत मशीनों और विशेषज्ञों से सुसज्जित होगा अस्पताल- बागेश्वर धाम में बन रहे इस कैंसर अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण होंगे और अनुभवी चिकित्सक कैंसर मरीजों का इलाज करेंगे। यह अस्पताल राज्य और देशभर के कैंसर रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र साबित होगा।

पीएम मोदी ने कहा, इस साल जो बजट आया है उसमें भी कैंसर से लड़ने के लिए कई सारी घोषणाएं की गई हैं और मोदी ने तय किया है कि कैंसर की दवाओं को और सस्ता किया जाएगा।अगले 3 साल में देश के हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे।

उन्नत मशीनों और विशेषज्ञों से सुसज्जित होगा अस्पताल- बागेश्वर धाम में बन रहे इस कैंसर अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण होंगे और अनुभवी चिकित्सक कैंसर मरीजों का इलाज करेंगे। यह अस्पताल राज्य और देशभर के कैंसर रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र साबित होगा।

पीएम मोदी ने कहा, इस साल जो बजट आया है उसमें भी कैंसर से लड़ने के लिए कई सारी घोषणाएं की गई हैं और मोदी ने तय किया है कि कैंसर की दवाओं को और सस्ता किया जाएगा।अगले 3 साल में देश के हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे।

कौन हैं वसुंधरा ओसवाल? जिन्होंने सुनाई युगांडा जेल की आपबीती, पिता हैं दिग्गज कारोबारी और 24000 करोड़ के मालिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल के अरबपति पंकज ओसवाल की बेटी वसुंधरा ओसवाल इस समय चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। वसुंधरा को साल 2024 में अपने पिता कंपनी में एक कर्मचारी के अपहरण और हत्या के झूठे मामले में युगांडा में पुलिस हिरासत में रखा गया।

वसुंधरा को तीन हफ्तों तक युगांडा पुलिस ने हिरासत में रखा, बाद में उन्हें बीते साल 21 अक्टूबर को रिहा किया गया। 26 वर्षीय ओसवाल को दोषी हत्यारों और मानव तस्करों के साथ एक उच्च सुरक्षा वाली जेल में रखा गया था। हाल के दिनों में उन्होंने एक साक्षात्कार में अपनी इस कहानी को बताया। आइए आपको इस बारे में पूरी जानकारी देते हैं।

जानिए कौन हैं वसुंधरा ओसवाल- भारतीय मूल के दिग्गज उद्योगपति पंकज और राधिका ओसवाल की बेटी हैं। वसुंधरा ओसवाल की उम्र 26 साल की है। वसुंधरा दुनिया के सबसे महंगे घरों में से एक विला वारी में रहती हैं, जिसकी कीमत 200 मिलियन डॉलर से ज़्यादा है। यह विला स्विटज़रलैंड में माउंट ब्लैंक के सामने स्थित है। इसको मशहूर इंटीरियर डिज़ाइनर जेफ़री विल्क्स ने डिज़ाइन किया था।

वसुंधरा ओसवाल ने स्विटज़रलैंड के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से वित्त में ऑनर्स ग्रेजुएशन किया है। साल 2020 में वह PRO Industries के बोर्ड में शामिल हुईं। इसके साथ ही संगठन की पहली महिला लीड के रूप में इतिहास रचा था।

वर्तमान में वह PRO Industries की कार्यकारी निदेशक (वित्त) के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। ये कंपनी निवेश रणनीति और संयंत्र विकास की देखरेख का काम करती है। इसके साथ ही ओसवाल गिनी में सबसे बड़ी बॉक्साइट खनन परियोजनाओं में से एक, एक्सिस मिनरल्स की महानिदेशक भी हैं। इसमें 884 मिलियन टन बॉक्साइट है।

वसुंधरा ओसवाल के नेतृत्व में PRO Industries और एक्सिस मिनरल्स ने प्रमुख विस्तार परियोजनाओं को अच्छी तरीके से पूरा किया है।

एफबीआई डायरेक्टर के बाद काश पटेल को मिली एक और अहम जिम्मेदारी, इस विभाग के बनेंगे कार्यवाहक प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए एफबीआई निदेशक काश पटेल को शराब, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो का कार्यवाहक प्रमुख नामित किए जाने की उम्मीद है। न्याय विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने कहा, पटेल को अगले सप्ताह शपथ दिलाई जा सकती है। एक असामान्य व्यवस्था में पटेल को न्याय विभाग की दो सबसे बड़ी एजेंसियों का प्रभारी बनाया गया है। हालांकि, व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने शनिवार शाम टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

एटीएफ 5,500 कर्मचारियों वाली एक अलग एजेंसी है और आग्नेयास्त्रों, विस्फोटकों और आगजनी को लेकर देश के कानूनों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। यह संघीय आग्नेयास्त्र डीलरों को लाइसेंस देने, अपराधों में इस्तेमाल की गई बंदूकों का पता लगाने और शूटिंग जांच में खुफिया जानकारी का विश्लेषण करने का प्रभारी है।

एटीएफ के वकील को किया था बर्खास्त

यह खबर अटार्नी जनरल पाम बांडी द्वारा एटीएफ के शीर्ष वकील को बर्खास्त करने के कुछ दिनों बाद आई है। बांडी ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने मुख्य वकील पामेला हिक्स को निकाल दिया क्योंकि एजेंसी बंदूक मालिकों को निशाना बना रही थी।

हिक्स, जिन्होंने न्याय विभाग के वकील के रूप में 20 साल से अधिक समय बिताया, ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एटीएफ मुख्य वकील बनना उनके करियर का सर्वोच्च सम्मान था।

सर्वे ने उड़ाई चांसलर शुल्ज की नींद, कट्टरपंथी एलिस को बढ़त; मत्ज जीत की ओर

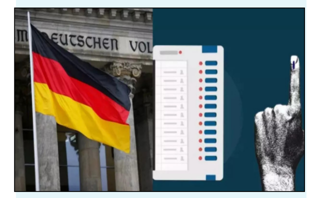

जर्मनी में आम चुनाव को लेकर रविवार को वोटिंग होगी, लेकिन इससे पहले सर्वे में मौजूदा चांसलर की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी पिछड़ती दिख रही है। विपक्षी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन के फ्रेडरिक मत्ज चांसलर की रेस में आगे हैं।

सर्वे में एलिस वीडेल की कट्टरपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी को भी बढ़त मिलती दिख रही है। सर्वे के मुताबिक 29 प्रतिशत लोग मत्ज की पार्टी के समर्थन में हैं और कट्टरपंथी एलिस की पार्टी को 21 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलता दिख रहा है।

चांसलर शोल्ज की पार्टी को सिर्फ 16 प्रतिशत लोगों का समर्थन प्राप्त होता दिख रहा है और वो तीसरे नंबर की पार्टी बनती दिख रही है। सत्तारुढ़ गठबंधन में शामिल ग्रीन पार्टी को 12त और फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी को 7त वोट मिल सकता है और ये दोनों पार्टी किंग मेकर की भूमिका निभा सकती है।

10 घंटे तक होगी वोटिंग फिर होगी गिनती - जर्मनी में सुबह आठ से लेकर शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। जर्मनी की आबादी 8.4 करोड़ है और करीब 6 करोड़ लोग वोटिंग में हिस्सा लेंगे। वोटिंग खत्म होने के बाद एग्जिट पोल आएंगे और वोटों की गिनती भी शुरू हो जाएगी।

भारतीय मूल के यूट्यूबर द्वारा भेजे गए कोल्ड ईमेल पर सत्या नडेला ने 4 मिनट में कहा हां, इंटरनेट यूजर्स रह गए हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला एक ईमेल के जवाब को लेकर काफी ज्यादा चर्चा में बने हुए हैं। एक भारतीय यूट्यूबर ने नडेला को कोल्ड ईमेल भेजा था और उनको पॉडकास्ट में आने का न्योता दिया था।

द्वारकेश पटेल नाम के यूट्यूबर ने एक साधारण ईमेल के साथ लिखा, क्या आप मेरे पॉडकास्ट में आना चाहेंगे? इसके जवाब में सत्या नडेला ने उन्हें हां में जवाब दिया और पॉडकास्ट में शामिल होने में अपनी रुचि व्यक्त की।

यूट्यूबर ने एक्स पर पोस्ट किया मामला- द्वारकेश पटेल ने इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों से साझा किया और लोगों से कोल्ड ईमेल को कम न आंकने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने नडेला के साथ अपने पॉडकास्ट के मुख्य अंश को भी लोगों के साथ शेयर किया।

इस पॉडकास्ट में पटेल ने नडेला से माइक्रोसॉफ्ट में उनके 34 सालों के अनुभव के बारे में बात की और साथ ही उन्होंने नडेला को कंपनी मैन बताया। इस दौरान नडेला ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट में हर साल उनका उत्साह बढ़ता जा रहा है।

अब Norovirus का खतरा! ब्रिटेन के बाद इस देश में बढ़ रहे मामले, जानें इसके लक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब एक नया वायरस लोगों को डरा रहा है, पिछले कुछ दिनों से कावासाकी नोरोवायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। नोरोवायरस संक्रमण के प्रकोप के कारण यू.के. में अस्पताल के अधिकारियों को तत्काल नोटिस जारी करने पड़ रहे हैं, जिसमें लोगों से अधिक संक्रमण से बचने के लिए अस्पताल में आने की संख्या सीमित करने को कहा गया है।

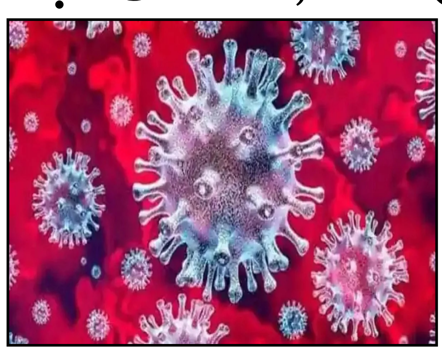

अत्यधिक संक्रामक वायरस, जिसे विंटर वोमिटिंग बग भी कहा जाता है, इस वायरस के मामलों में तीव्र बढ़ोतरी हो रही है। इसमें अचानक उल्टी और दस्त की समस्या जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि अकेले 2025 के पहले सात हफ्तों के दौरान, 400 मामले सामने आए थे और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी अलार्म बजा रहे हैं क्योंकि नया GII.17 वैरिएंट फैलना जारी है।

नोरोवायरस के लक्षण

- उल्टी
- दस्त
- तेज बुखार
- जी मिचलाना
- सिरदर्द
- थकान

अमेरिकी में क्या है हाल?

ब्रिटिश स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यकारी (एचएसई) ने बढ़ती चिंता की ओर इशारा करते हुए कहा है कि स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में बढ़ती गतिविधि पहले से ही तनावग्रस्त सर्दियों की स्वास्थ्य प्रणाली पर भारी दबाव डाल रही है। नोरोवायरस बीमारी में यह बढ़ोतरी केवल यू.के. तक सीमित नहीं है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में भी इसी तरह की बढ़ोतरी देखी गई है, जो वायरस के संभावित रूप से व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रसार का संकेत देती है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधे व्यापार शुरू, 50 हजार टन चावल भेजा जाएगा ढाका; 1971 के बाद पहली बार होगा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1971 के बाद पहली बार पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधा व्यापार शुरू हो चुका है। पहली बार सरकारी माल लेकर पाकिस्तान का जहाज बांग्लादेश के लिए रवाना हो चुका है। इसके सरकारी खेप को पोर्ट कासिम से रवाना किया गया है।

फरवरी की शुरुआत में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधा व्यापार से जुड़ा समझौता हुआ है। इसके तहत बांग्लादेश ने ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान के माध्यम से 50 हजार टन पाकिस्तानी चावल खरीदने पर सहमति जताई।

दो फेज में पहुंचेगी चावल की खेप- एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक पहली बार सरकारी माल ले जाने वाला पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कॉरपोरेशन (पीएनएससी) का जहाज बांग्लादेशी बंदरगाह पर उतरेगा। यह बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच समुद्री व्यापार संबंधों में मील का पत्थर साबित होगा। इसी महीने हुए समझौते के तहत बांग्लादेश पाकिस्तान ट्रेडिंग कॉरपोरेशन से 50 हजार टन चावल आयात करेगा। इस खेप को दो फेज में पहुंचाया जाएगा। पहली खेप में 25 हजार टन चावल भेजा जाएगा।

पाकिस्तान से करीबी बढ़ा रहे यूनुस- बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद से ही पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ाई जा रही हैं। दोनों देश न केवल व्यापारिक बल्कि सैन्य सहयोग भी बढ़ाने में जुटे हैं। माना जा रहा है कि ताजा व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। वहीं सीधे शिपिंग मार्गों की सुविधा बेहतर होगी।

ट्रंप और मोदी मिले तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा, इटली की PM मेलोनी ने वामपंथियों की बखिया उधेड़ दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने वापपंथियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने वैश्विक राजनीतिक वामपंथ के दोहरे मापदंड की आलोचना की। मेलोनी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वाशिंगटन डीसी में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) को संबोधित किया।

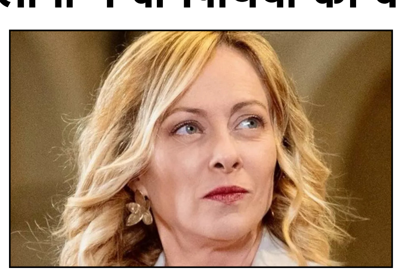

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली समेत दुनिया के तमाम नेता एक नए वैश्विक कंजर्वेटिव आंदोलन को आकार दे रहे हैं।

कंजर्वेटिव के सहयोग से वामपंथी परेशान- मेलोनी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद वामपंथियों की चिड़चिड़ाहट हिस्टिरिया में बदल चुकी है। यह सिर्फ इसलिए नहीं है कि कंजर्वेटिव जीत रहे हैं बल्कि इस वजह से है कि वे वैश्विक स्तर पर सहयोग भी कर रहे हैं।

मेलोनी ने वामपंथियों के दोहरे मापदंड का पर्दाफाश किया। उन्होंने कहा कि जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाया तो उन्हें राजनेता कहा गया। मगर आज जब डोनाल्ड ट्रंप, मेलोनी व माइली या पीएम मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह वामपंथियों का डबल स्टैंडर्ड है। उन्होंने कहा कि मगर हम इसके आदी हो चुके हैं।

जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि अच्छी बात यह है कि वामपंथियों के झूठ पर लोग अब विश्वास नहीं करते हैं। मेरे ऊपर कीचड़ उछाला गया। मगर लोगों ने मुझे वोट देना जारी रखा। इसकी वजह यह है कि हम अपने देश से प्रेम करते हैं। हम स्वतंत्रता के पक्षधर हैं और सीमाओं को सुरक्षित रखना चाहते हैं।

आवाज लगाने पर नहीं मिल रहा कोई रिस्पॉन्स, टनल के अंदर बचाव अभियान जारी

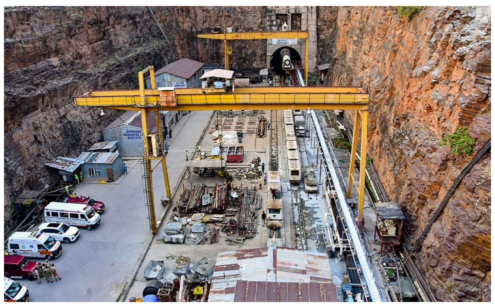

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना सुरंग हादसे में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इस टनल में 8 मजदूर फंसे हैं, जिनको निकालने के लिए प्रयास जाकी है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं। रेस्क्यू के काम में कई प्रकार की चुनौतियां सामने आ रही हैं।

इस बीच थोड़ी राहत भरी जानकारी सामने आई है। बताया जाता है रेस्क्यू टीम टनल के 13 किलोमीटर अंदर तक पहुंच गई है, इसी जगह पर सुरंग का हिस्सा ढहा है। हालांकि, कीचड़ और पानी की वजह से राहत और बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि शनिवार को तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक सुरंग का हिस्सा ढह गया था। इस सुरंग में 8 मजदूर फंस गए थे। इसके बाद उनको निकालने का प्रयास लगातार जारी है। इस बीच सुरंग के कुछ दूर अंदर जाकर बचावकर्मी सुरंग के अंदर जाते समय फंसे हुए श्रमिकों के नाम पुकार रहे हैं।

सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए बचाव कार्य में तेजी से किया जा रहा है और इसमें और तेजी लाने के लिए शीर्ष बचाव एजेंसियों को तैनात किया गया है। साथ ही सुरंग खोदने वाली मशीन लाई जा रही है।

क्या बोले अधिकारी?

बता दें कि एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने कहा कि बचाव दल कल रात सुरंग के अंदर गया, जिसने एक लोकोमोटिव पर 11 किलोमीटर और एक कन्वेयर बेल्ट पर शेष 2 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने यह भी कहा कि जब हम सुरंग बोरिंग मशीन के अंत में पहुँचे, तो हमने उनके (श्रमिकों के) नाम पुकारे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

दोनों राष्ट्रवादी हैं और एक दूसरे का सम्मान करते हैं, पीएम मोदी-ट्रंप की दोस्ती पर क्या बोले जयशंकर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मजबूत तालमेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि दोनों राष्ट्रवादी हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। जयशंकर दिल्ली विश्वविद्यालय के साहित्य महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रवादी हैं और डोनाल्ड ट्रंप भी इस भावना को व्यक्त करते हैं। ट्रंप एक अमेरिकी राष्ट्रवादी हैं। मुझे लगता है कि कई मायनों में राष्ट्रवादी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

पीएम मोदी ने हाल में की थी अमेरिका की यात्रा- प्रधानमंत्री मोदी के हालिया अमेरिकी दौरे की चर्चा करते हुए जयशंकर ने कहा कि मोदी की ट्रंप के साथ द्विपक्षीय मुलाकात बहुत अच्छी रही। ट्रंप स्वीकार करते हैं कि मोदी भारत के लिए हैं। वहीं मोदी भी मानते हैं कि ट्रंप अमेरिका के लिए हैं। दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री रही।

जयशंकर ने कहा कि ट्रंप कुछ हद तक दूसरे नेताओं से अलग हैं, दुनिया में ऐसे कई अन्य नेता हैं, जिनके साथ उनका सकारात्मक इतिहास नहीं रहा है, लेकिन पीएम मोदी के मामले में ऐसा नहीं है। दोनों के बीच अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं।

पंजाब के युवक की कंबोडिया में मौत, डंकी रूट से जा रहा था अमेरिका, परिजन बोले-एजेंट के खिलाफ कार्रवाई हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के डेराबस्सी जिले के गांव शेखपुरा कलां के 24 वर्षीय युवक रणदीप सिंह की डंकी रूट से अमेरिका जाने के दौरान कंबोडिया में बीमारी से मौत हो गई। रणदीप आठ महीने पहले गया था। 25 लाख रुपये खर्च कर अमेरिका पहुंचाने के बजाय वियतनाम और उसके बाद कंबोडिया में जाकर फंस गया।

शव भारत लाए जाने का इंतजार- परिवार ने एजेंट के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अब परिवार को रणदीप के शव भारत लाए जाने का इंतजार है। 58 वर्षीय बलविंदर सिंह और उसकी पत्नी ज्ञान कौर दिहाड़ीदार हैं। पुलिस को पहले 20 फरवरी को रणदीप ने शिकायत दी थी कि वह आठ महीने से कंबोडिया में फंसा हुआ है। एजेंट उसका मौसा विक्रम वासी बब्याल, अंबाला का है। उसे न आगे भेजा जा रहा है, न वापस भेजा जा रहा है।

एजेंट ने उसका पासपोर्ट भी जब्त किया हुआ है और बीमार चल रहे रणदीप का ठीक से इलाज नहीं किया जा रहा है। अब परिवार ने पुलिस से अंबाला के एजेंट के खिलाफ शिकायत दर्ज कर उसके खिलाफ कार्रवाई और पैसे वापस दिलाने की मांग की है। बड़े भाई रवि ने बताया कि रणदीप को कनाडा होते हुए अमेरिका पहुंचना था, परंतु एजेंट ने उसे कनाडा तक भी नहीं पहुंचाया।

अमेरिका में बसने की चाह में पंजाबी अवैध तरीके से विदेश जाने के लिए जो रास्ता अपनाते हैं, उसे डंकी रूट कहते हैं।

भारत में हैं 453 भाषाएं, कितनी भाषाओं को मिली है आधिकारिक मान्यता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत काफी बड़ा देश है और यहां कई भाषाओं के लोग रहते हैं। भारत भाषा की विविधता के लिए मशहूर है। यहां कई तरह की बोलियां बोली जाती है, जिनका विकास ऐतिहासिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित हुआ है।

2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 453 जीवित भाषाएं हैं। भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है, जिन्हें संविधान की अनुसूची आठ में सूचीबद्ध किया गया है।

दुनिया में कितने लोग बोलते हैं अंग्रेजी भाषा- विश्व आर्थिक मंच के अनुसार, दुनिया में लगभग 23 प्रमुख भाषाएं हैं, जिन्हें दुनिया की आधी से अधिक आबादी बोलती है। संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में से एक अंग्रेजी जिसे 110 करोड़ से अधिक लोग बोलते हैं।

दुनियाभर में विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने में अंग्रेजी एक महत्वपूर्ण भाषा बन गई है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया में करीब 8324 जीवित भाषाएं मौजूद हैं। आईए नजर डालते हैं, भारत में कौन-कौन सी भाषा सबसे ज्यादा बोली जाती है...

हिन्दी- 52 करोड़ 83 लाख 47 हजार 193 लोग हिन्दी भाषा बोलते हैं और आबादी में इनकी हिस्सेदारी 43.63 प्रतिशत है।

बंगाली- 9 करोड़ 72 लाख 37 हजार 669 लोग बंगाली भाषा का प्रयोग करते हैं और आबादी में इनकी हिस्सेदारी 8.03 प्रतिशत है।

मराठी- 8 करोड़ 30 लाख 26 हजार 680 लोग मराठी भाषा बोलते हैं और आबादी में इनकी हिस्सेदारी 6.86 प्रतिशत है।

तेलुगु- 8 करोड़ 11 लाख 27 हजार 740 लोग तेलुगु भाषा बोलते हैं और आबादी में इनकी हिस्सेदारी 6.70 प्रतिशत है।

तमिल- 6 करोड़ 90 लाख 26 हजार 881 लोग तमिल भाषा का प्रयोग करते हैं और आबादी में इनकी हिस्सेदारी 5.70 प्रतिशत है।

अमेरिका में 3 साल बाद पराग अग्रवाल की चर्चा क्यों? एलन मस्क बोले- उन्होंने कुछ नहीं किया; इसलिए निकाला था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज उद्योगपति और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख एलन मस्क ने ट्विटर के पूर्व कार्यकारी अधिकारी पराग अग्रवाल को याद किया। 2022 में ट्विटर को खरीदने के बाद एलन मस्क ने पराग को नौकरी से निकाल दिया था। बाद में इस प्लेटफॉर्म का नाम बदलकर मस्क ने एक्स रख दिया।

अचानक पराग अग्रवाल का जिक्र क्यों- अब सवाल उठ रहा है कि एलन मस्क ने अचानक पराग अग्रवाल का जिक्र क्यों किया? दरअसल, इसके पीछे भी एक वजह है। हाल ही में एलन मस्क ने अमेरिका के संघीय कर्मचारियों को एक ईमेल भेजा है। इसमें पूछा गया कि उन्होंने पिछले सप्ताह क्या किया? एक्स में एक पोस्ट में लिखा गया है कि तीन साल पहले एलन मस्क ने पराग अग्रवाल से भी ऐसा ही सवाल पूछा था। बाद में उन्हें निकाल दिया गया था।

एलन मस्क ने क्या जवाब दिया- टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने एक्स पोस्ट का जवाब भी दिया। एलन मस्क ने लिखा कि पराग अग्रवाल ने कुछ नहीं किया था। इस वजह से पराग को निकाल दिया गया था। संघीय कर्मचारियों को एलन मस्क के ईमेल के बाद इंटरनेट पर पराग अग्रवाल की चर्चा खूब हो रही है। एलन मस्क और अग्रवाल से जुड़े मीम्स खूब पोस्ट किए जा रहे हैं।

एलन मस्क ने अमेरिका के लाखों संघीय कर्मचारियों को तीन लाइन का ईमेल भेजा है। इसमें पूछा गया कि उन्होंने पिछले हफ्ते क्या किया है? इसका जवाब पांच प्वाइंट्स में 48 घंटे के भीतर दें। ईमेल में यह भी कहा गया कि अगर किसी कर्मचारी ने जवाब नहीं दिया तो उसका इस्तीफा माना जाएगा। सभी कर्मचारियों को सोमवार की रात 11ः59 बजे तक हर हाल में जवाब देना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख बनाया है। एलन मस्क को सरकारी खर्च में कटौती और फिजूलखर्ची में लगाम लगाने की जिम्मेदारी मिली है। मस्क अभी तक हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुके हैं।

कुत्ते को टहलाने को लेकर हुए विवाद के बाद दिल्ली के शख्स ने महिला को कार से कुचला, गोवा में हुई दिल दहलाने वाली घटना

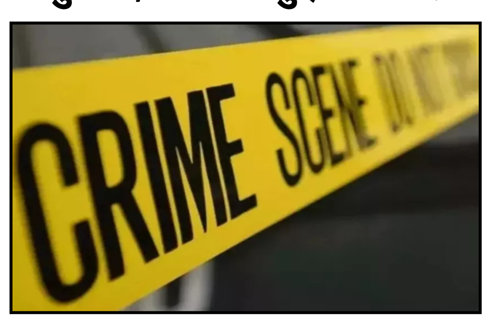

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा के मंद्रेम इलाके में एक भयावह घटना घटी है। दिल्ली का एक शख्स गोवा घुमने पहुंचा था और वहां पर एक महिला के साथ उसकी बहस हो गई, जिसके बाद शख्स ने महिला को गाड़ी से कुचलकर मार डाला।

जानकारी के मुताबिक, कुत्ते को टहलाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद शख्स ने महिला के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी और गाड़ी से कुचलकर महिला की हत्या कर दी। मृतक महिला का नाम मारिया जोआओ फर्नांडिस है। आरोपी का नाम दीपक राजीव बत्रा है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी दीपक अपने माता-पिता के साथ टहल रहा था, तभी मारिया के बेटे ने आरोपी से अपने कुत्ते को उनके घर के सामने टहलाने से मना किया। इसके बाद दोनों के बीच बहस हुई और मामला हाथापाई तक पहुंच गया।

गुस्से में चढ़ा दी कार- इस बहस के बाद आरोपी दीपक बत्रा अपने माता-पिता के साथ कार में बैठ गया और और गुस्से में अपनी कार मारिया के ऊपर चढ़ा दी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद मारिया के बाद मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने थाने में हंगामा किया और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

पहले एक्सीडेंट की आई थी खबर- उत्तर गोवा के एसपी अक्षत कौशल ने बताया कि शुरुआत में पुलिस को जूनास्वाड़ा इलाके में एक एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। बताया गया था कि एक महिला को एक कार ने टक्कर मार दी है। इसके बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और एक्सीडेंट में शामिल कार को जब्त कर लिया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। दुबई में शेफ था दीपक बत्रा- एसपी कौशल ने आगे बताया, आरोपी के हाथों पर काटने के निशान थे, उसकी मेडिकल जांच कराई गई है। ब्क्हस्स धारा 103 (हत्या) और 281 (लापरवाही से गाड़ी चलाना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें, आरोपी दीपक पहले दुबई में शेफ का काम करता था।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन एकादशी

संपादकीय

प्राथमिक सरकारी स्कूलों में लगभग एक-तिहाई शिक्षकों के पास आवश्यक शिक्षण डिग्री नहीं है....

प्राथमिक सरकारी स्कूलों में लगभग एक-तिहाई शिक्षकों के पास आवश्यक शिक्षण डिग्री नहीं है केवल 46त्न प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के पास उचित योग्यता है, जैसे कि शिक्षा में डिप्लोमा या शिक्षा स्नातक। पिछले कुछ वर्षों में, भारत में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों और निजी ट्यूटर्स के रूप में काम करने वाले अयोग्य शिक्षकों की संख्या बच्चों के शुरुआती वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में चिंता का एक प्रमुख कारण रही है। यह घटना न केवल छोटे बच्चों के मूलभूत सीखने से समझौता करती है, बल्कि उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए दीर्घकालिक निहितार्थ भी है। भारत में, अधिकांश शिक्षक महिलाएं हैं, क्योंकि इसे महिलाओं के लिए डिफ़ॉल्ट कैरियर विकल्प के रूप में माना जाता है। यह एक प्रचलित सामाजिक धारणा के कारण सबसे अधिक संभावना है कि यदि कोई महिला औपचारिक क्षेत्र में काम नहीं कर रही है या घरेलू काम कर रही है, तो उसे अपनी योग्यता या पेशे के प्रति झुकाव के बावजूद, शिक्षण या घर के ट्यूशन का विकल्प चुनना चाहिए। इसका कारण यह है कि यह मजबूत विश्वास है कि शिक्षण महिलाओं के लिए एक ÷आसान÷ और ÷उपयुक्त÷ पेशा है, जो बहुत कम प्रयास की मांग करता है लेकिन उन्हें अपने घरों की दीवारों के भीतर रहने में सक्षम बनाता है। शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (युडीआईएसई+) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में शिक्षकों का एक बड़ा प्रतिशत पेशेवर रूप से योग्य नहीं है। समस्या औपचारिक शिक्षा से परे निजी ट्यूशन के डोमेन से परे है। निजी ट्यूशन भारत में एक आम बात है, जिसमें कक्षा 1 से 8 में लगभग एक-पांचवें ग्रामीण बच्चों के साथ निजी ट्यूशन के लिए जा रहे हैं। यह उच्च वर्गों या शहरी क्षेत्रों में प्रतिबंधित नहीं है; उदाहरण के लिए, ग्रामीण पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में, प्राथमिक स्तर पर 75त्न बच्चों के करीब निजी ट्यूशन मिलते हैं। शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूल (एनआईउऐस) से एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, प्राथमिक सरकारी स्कूलों में लगभग एक-तिहाई शिक्षकों के पास आवश्यक शिक्षण डिग्री नहीं है। बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, यह प्रतिशत और भी अधिक है, जिसमें 50त्न से अधिक शिक्षकों में औपचारिक शिक्षण योग्यता की कमी है। इसके अतिरिक्त, लगभग 45त्न अनियमित स्कूल योग्य शिक्षकों के बिना काम करते हैं, स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में शैक्षिक मानकों को बनाए रखने में चुनौतियों को उजागर करते हैं। वर्ष 2021-22 के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली के लिए शिक्षा प्लस (युडीआईऐस शई+) की एक रिपोर्ट बताती है कि सभी स्कूलों में लगभग एक चौथाई शिक्षकों के पास केवल उच्च माध्यमिक शिक्षा है, और कुछ स्नातक भी नहीं हैं। औपचारिक प्रशिक्षण की इस कमी का उनके शिक्षण प्रभावशीलता पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि अप्रशिक्षित शिक्षकों में बुनियादी शैक्षणिक कौशल की कमी होती है, जो छात्रों के सीखने के परिणामों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। दीर्घकालिक परिणाम स्कूली शिक्षा के शुरुआती वर्षों में अयोग्य शिक्षकों के लंबे समय तक चलने वाले प्रभाव हो सकते हैं- गरीब शैक्षिक फाउंडेशन- प्राथमिक वर्षों में खराब शिक्षण से बुनियादी कौशल में अंतराल होता है जो छात्रों के लिए उच्च ग्रेड पर परिष्कृत विचारों का प्रबंधन करना मुश्किल बनाता है। कम प्रेरणा और आत्मविश्वास- सीखने के साथ चल रही कठिनाई से निराशा हो सकती है और आत्मविश्वास कम हो सकता है, जो शिक्षा के प्रति छात्रों के सामान्य दृष्टिकोण को प्रभावित करता है। प्रतिबंधित भविष्य के अवसर- एक समझौता प्राथमिक शिक्षा प्रमुख परीक्षाओं में छात्रों के प्रदर्शन में बाधा डाल सकती है, इस प्रकार उच्च शिक्षा और नौकरी तक उनकी पहुंच को सीमित कर सकती हैअवसर। राष्ट्रीय अवलोकन- 2023 तक, भारत में लगभग 94.94त्न प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने न्यूनतम आवश्यक पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

वीर सावरकर

विनायक दामोदर सावरकर न सिर्फ़ एक क्रांतिकारी थे बल्कि एक भाषाविद, बुद्धिवादी, कवि, अप्रतिम क्रांतिकारी, दृढ राजनेता, समर्पित समाज सुधारक, दार्शनिक, द्रष्टा, महान् कवि और महान् इतिहासकार और ओजस्वी आदि वक्ता भी थे। उनके इन्हीं गुणों ने महानतम लोगों की श्रेणी में उच्च पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया।

जन्म

वीर सावरकर का पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था। अंग्रेज़ी सत्ता के विरुद्ध भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले विनायक दामोदर सावरकर साधारणतया वीर सावरकर के नाम से विख्यात थे। वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के भगूर गाँव में हुआ। उनके पिता दामोदरपंत गाँव के प्रतिष्?ठित व्यक्तियों में जाने जाते थे। जब विनायक नौ साल के थे तभी उनकी माता राधाबाई का देहांत हो गया था। विनायक दामोदर सावरकर, 20वीं शताब्दी के सबसे बड़े हिन्दूवादी थे। उन्हें हिन्दू शब्द से बेहद लगाव था। वह कहते थे कि उन्हें स्वातन्त्रय वीर की जगह हिन्दू संगठक कहा जाए। उन्होंने जीवन भर हिन्दू हिन्दी हिन्दुस्तान के लिए कार्य किया। वह अखिल भारत हिन्दू महासभा के 6 बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। 1937 में वे हिन्दू महासभा के अध्यक्ष चुने गए और 1938 में हिन्दू महासभा को राजनीतिक दल घोषित किया था। 1943 के बाद दादर, मुंबई में रहे। बाद में वे निर्दोष सिद्ध हुए और उन्होंने राजनीति से सन्न्यास ले लिया।

शिक्षा

वीर सावरकर ने शिवाजी हाईस्कूल नासिक से 1901 में मैट्रिक की परीक्षा पास की। बचपन से ही वे पढ़ाकू थे। बचपन में उन्होंने कुछ कविताएँ भी लिखी थीं। फ़र्ग्युसन कॉलेज पुणे में पढ़ने के दौरान भी वे राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत ओजस्वी भाषण देते थे। जब वे विलायत में क़ानून की शिक्षा प्राप्त कर रहे थे, तभी 1910 ई. में एक हत्याकांड में सहयोग देने के रूप में एक जहाज़ द्वारा भारत रवाना कर दिये गये।

क्रांतिकारी संगठन की स्थापना

1940 ई. में वीर सावरकर ने पूना में 'अभिनव भारती' नामक एक ऐसे क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य आवश्यकता पड़ने पर बल-प्रयोग द्वारा स्वतंत्रता प्राप्त करना था। आज़ादी के वास्ते काम करने के लिए उन्होंने एक गुप्त सोसायटी बनाई थी, जो मित्र मेला के नाम से जानी गई।

सावरकर के संघर्ष

1910 ई. में एक हत्याकांड में सहयोग देने के रूप में वीर सावरकर एक जहाज़ द्वारा भारत रवाना कर दिये गये। परन्तु फ़्रांस के मार्सलीज़ बन्दरगाह के समीप जहाज़ से वे समुद्र में कूदकर भाग निकले, किन्तु पुनः पकड़े गये और भारत लाये गये। भारत की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्षों में वीर सावरकर का नाम बेहद महत्त्वपूर्ण रहा है। महान् देशभक्त और क्रांतिकारी सावरकर ने अपना संपूर्ण जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। अपने राष्ट्रवादी विचारों से जहाँ सावरकर देश को स्वतंत्र कराने के लिए निरन्तर संघर्ष करते रहे वहीं दूसरी ओर देश की स्वतंत्रता के बाद भी उनका जीवन संघर्षों से घिरा रहा।

जेल यात्रा

एक विशेष न्यायालय द्वारा उनके अभियोग की सुनवाई हुई और उन्हें आजीवन कालेपानी की दुहरी सज़ा मिली। सावरकर 1911 से 1921 तक अंडमान जेल (सेल्यूलर जेल) में रहे। 1921 में वे स्वदेश लौटे और फिर 3 साल जेल भोगी। 1937 ई. में उन्हें मुक्त कर दिया गया था, परन्तु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को उनका समर्थन न प्राप्त हो सका 1947 में इन्होंने भारत विभाजन का विरोध किया। महात्मा रामचन्द्र वीर (हिन्दू महासभा के नेता एवं सन्त) ने उनका समर्थन किया। और 1948 ई. में महात्मा गांधी की हत्या में उनका हाथ होने का संदेह किया गया। इतनी मुश्क़िलों के बाद भी वे झुके नहीं और उनका देशप्रेम का जज़्बा बरकरार रहा और अदालत को उन्हें तमाम आरोपों से मुक्त कर बरी करना पड़ा।

मातृभूमि! तेरे चरणों में पहले ही मैं अपना मन अर्पित कर चुका हूँ। देश सेवा में ईश्वर सेवा है, यह मानकर मैंने तेरी सेवा के माध्यम से भगवान की सेवा की। वीर सावरकर

कुछ प्रमुख कार्य

सावरकर भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के केन्द्र लंदन में उसके विरुद्ध क्रांतिकारी आंदोलन संगठित किया था।

सावरकर भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सन् 1905 के बंग-भंग के बाद सन् 1906 में स्वदेशी का नारा दे, विदेशी कपड़ों की होली जलाई थी।

सावरकर भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्हें अपने विचारों के कारण बैरिस्टर की डिग्री खोनी पड़ी।

सावरकर पहले भारतीय थे जिन्होंने पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की।

सावरकर भारत के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सन् 1857 की लड़ाई को भारत का स्वाधीनता संग्राम बताते हुए लगभग एक हज़ार पृष्ठों का इतिहास 1907 में लिखा।

सावरकर भारत के पहले और दुनिया के एकमात्र लेखक थे जिनकी किताब को प्रकाशित होने के पहले ही ब्रिटिश और ब्रिटिशसाम्राज्यकी सरकारों ने प्रतिबंधित कर दिया था।

सावरकर दुनिया के पहले राजनीतिक कैदी थे, जिनका मामला हेग के अंतराष्ट्रीय न्यायालय में चला था।

सावरकर पहले भारतीय राजनीतिक कैदी थे, जिसने एक अछूत को मंदिर का पुजारी बनाया था।

सावरकर ने ही वह पहला भारतीय झंडा बनाया था, जिसे जर्मनी में 1907 की अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस में मैडम कामा ने फहराया था।

सावरकर वे पहले कवि थे, जिसने कलम-काग़ज़ के बिना जेल की दीवारों पर पत्थर के टुकड़ों से कवितायें लिखीं। कहा जाता है उन्होंने अपनी रची दस हज़ार से भी अधिक पंक्तियों को प्राचीन वैदिक साधना के अनुरूप वर्षोंस्मृति में सुरक्षित रखा, जब तक वह किसी न किसी तरह देशवासियों तक नहीं पहुच गई।

वे प्रथम क्रान्तिकारी थे, जिन पर स्वतंत्र भारत की सरकार ने झूठा मुकदमा चलाया और बाद में निर्दोष साबित होने पर माफी मांगी।

ग्रंथों की रचना

उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की, जिनमें 'भारतीय स्वातंर्त्य युद्ध', मेरा आजीवन कारावास' और 'अण्डमान की प्रतिध्वनियाँ' (सभी अंग्रेज़ी में) अधिक प्रसिद्ध हैं।

जेल में हिंदुत्व पर शोध ग्रंथ लिखा।

1909 में लिखी पुस्तक द इंडियन वॉर ऑफ़ इंडिपेंडेंस-1857 में सावरकर ने इस लड़ाई को ब्रिटिश सरकार के ख़िलाफ़ आज़ादी की पहली लड़ाई घोषित की थी।

मृत्यु / सम्मान

सावरकर एक प्रख्यात समाज सुधारक थे। उनका दृढ़ विश्वास था, कि सामाजिक एवं सार्वजनिक सुधार बराबरी का महत्त्व रखते हैं व एक दूसरे के पूरक हैं।

सावरकर जी की मृत्यु 26 फ़रवरी, 1966 में मुम्बई में हुई थी। 1966 में वीर सावरकर के निधन पर भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट भी जारी किया है। उस समय हमारे देश मे राजनैतिक अस्थिरता प्रारंभ होने लगी थी तथा लालबहादुर शास्त्री की मृत्यु के उपरांत इंदिरा गांधी देश की नयी प्रधानमंत्री बनी थीं। अपने राजनैतिक विद्रोहियों को जवाब देने के लिये ही वीर सावरकर को यह सम्मान दिया गया था। अहिंसा के पुजारी के रूप में शायद यह हमारा ही एकमात्र देश भारत ही ऐसा हो सकता है जहां राष्टपिता की हत्या के दो आरोपी फाँसी की सजा पायें और एक को राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा जाय।

4 के शेयर ने बनाया करोड़पति, 1 लाख का निवेश बना 9.55 करोड़, आखिर क्या करती है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में कई मल्टीबैगर स्टॉक हैं, जिसने रिटेल निवेशकों की संपत्ति को कई गुना बढ़ाया है। हालांकि, अधिकतर शेयर छोटी अवधि में कम ही कमाल कर पाते हैं, लंबी अवधि में अधिकतर के रिटर्न आर्श्चयजनक रहे हैं। आज हम जिस शेयर की बात कर रहे हैं उसने लंबी अवधि में अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दे दिया है। यह स्टॉक है- गरवारे हाई-टेक फिल्म्स । कंपनी के शेयर की कीमत वर्तमान में 4,201 है और 25 साल पहले इसकी कीमत 4.40 प्रति शेयर थी। इस दौरान इसमें 95,377 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई।

अगर 25 साल पहले किसी निवेशक ने इस शेयर में 1 लाख का निवेश किए होते और अब तक निवेश को बनाए रखते तो यह रकम आज की तारीख में बढ़कर 9.55 करोड़ हो गया होता। गरवारे हाई-टेक फिल्म्स लिमिटेड (जीएचएफएल) ने हाल ही में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर अपने स्टॉक परफॉर्मेंस में जबरदस्त उतार-चढ़ाव दिखाया है। 21 फरवरी, 2025 तक, शेयर की कीमत 4,201 है, जिसमें इंट्राडे मूवमेंट 4,030 का न्यूनतम और 4,255.95 का उच्चतम स्तर दर्शाता है।

अप्रैल-जून तिमाही में, GHFL ने कर पश्चात लाभ में सालाना आधार पर 102.2% की मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो 88.40 करोड़ तक पहुंच गई। सोलर कंट्रोल फिल्म्स (एससीएफ), पेंट प्रोटेक्शन फिल्म्स (पीपीएफ) और अन्य विशेष पॉलिएस्टर फिल्मों की ग्लोबल निर्माता कंपनी ने Q1FY24 में 43.7 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया था। एससीएफ और पीपीएफ व्यवसायों में निरंतर वृद्धि से राजस्व सालाना 25 प्रतिशत बढ़कर 474.50 करोड़ हो गया। EBITDA में सालाना आधार पर 78.7 प्रतिशत और त्त्फक्त में 44.9% की जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई, जो 130 करोड़ तक पहुंच गई।

बता दें कि कंपनी पॉलिएस्टर फिल्मों और उच्च मार्जिन वाली विशेष फिल्मों का एक प्रमुख निर्माता है। इसके अलावा, यह देश में सोलर कंट्रोल विंडो फिल्मों का एकमात्र निर्माता है और संभवतः सोलर कंट्रोल विंडो फिल्म निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल और घटकों के उत्पादन के लिए पिछड़े एकीकरण वाली विश्व स्तर पर एकमात्र कंपनी है।

शेयर बाजार इस हफ्ते वापसी करने में रहेगा सफल या निवेशकों का इंतजार बढ़ेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और शुल्क से संबंधित खबरों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बुधवार को 'महाशिवरात्रि' के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के रिसर्च हेड, संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, इस सप्ताह बाजार की दिशा मिले-जुले वैश्विक बाजार रुख, अमेरिका की व्यापार नीति की घोषणाओं और रूस-यूक्रेन युद्ध से संबंधित भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, निवेशकों की निगाह आगामी महत्वपूर्ण संकेतकों मसलन अमेरिका के मुख्य पीसीई मूल्य सूचकांक और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के आंकड़ों पर रहेगी। बाजार का 'मूड' काफी हद तक निराशाजनक है। कंपनियों के नतीजों में उल्लेखनीय सुधार और वैश्विक स्तर पर तरलता की बेहतर स्थिति तथा मुद्रा में स्थिरता से ही इसमें बदलाव आ सकता है।

1 पर आ गया 792 का यह शेयर, दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही कंपनी, अब 5 दिन से ट्रेडिंग भी बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस कम्युनिकेशंस के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर पिछले कई सेशंस से बंद हैं। इसमें कोई ट्रेडिंग नहीं हो रही है। 17 फरवरी से इसमें कोई कारोबार नहीं हुआ है। इसका अंतिम शेयर प्राइस 1.89 रुपये है। कंपनी दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही है। इसको लेकर 14 फरवरी को एक बैठक होने वाली थी। हालांकि, इस पर कोई फैसला नहीं आया है।

क्या है डिटेल- कंपनी ने शेयर बाजार को बताया था कि सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (एलओडीआर) के विनियमन 30 के अनुसार और एलओडीआर की अनुसूची III के भाग ए के सेगमेंट ए के उप-खंड 16 (जी) की आवश्यकताओं के अनुसार, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के लेनदारों की समिति की 56वीं बैठक शुक्रवार, 14 फरवरी 2025 को बुलाई जाने वाली है। हालांकि, इस बैठक में क्या फैसला लिया गया, इसपर कंपनी ने कोई अपडेट नहीं दी है।

कंपनी के शेयरों के हाल

बता दें कि लंबे समय से दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही कंपनी के शेयर पस्त पड़े हैं। 11 जनवरी 2008 में कंपनी के शेयर 792.30 रुपये के भाव पर थे। इस दौरान यह शेयर 99% से अधिक गिर गए। यानी एक लाख रुपये लगाने वालों को तगड़ा नुकसान हुआ है। उदाहरण के लिए, अगर किसी निवेशक ने इस शेयर में साल 2008 में एक लाख रुपये लगाए होते और अब तक अपने निवेश को बनाए रखते तो आज की तारीख में यह रकम घटकर 238 रुपये हो जाती। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 2.59 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 1.47 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 522 करोड़ रुपये है।

रिलायंस कम्युनिकेशंस भारत का अग्रणी और सही मायने में इंटीग्रेटेड टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर है। रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड का मुख्यालय नवी मुंबई, महाराष्ट्र में था जो वॉयस और 2G और 3G और 4G डेटा सेवाएं प्रदान करता था। फरवरी 2019 में, कंपनी ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया क्योंकि

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा 1 साल पैसा डबल करने वाला स्टॉक, रिकॉर्ड डेट अगले कुछ दिन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। मल्टीबैगर स्टॉक ओसिस सिक्योरिटीज के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी अपने शेयरों को 10 हिस्सों में बांटने जा रही है। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते है। बता दें, बीते एक साल में ओसिस सिक्योरिटीज ने अपने निवेशकों को 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद ओसिस सिक्योरिटीज की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंपनी ने कहा है कि स्टॉक स्प्लिट के लिए 28 फरवरी की तारीख रिकॉर्ड डेट रहेगी। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों को बांट दिया जाएगा।

शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 2 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा था। इस अपर सर्किट लगने के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 285.05 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। इस साल अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में करीब 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बाद भी स्टॉक 29 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न 6 महीने में देने में सफल रहा है।

90% के प्रीमियम पर हुई लिस्टिंग, भारी बिकवाली के बाद फिर से शेयरों की बढ़ी डिमांड, अपर सर्किट पर शेयर

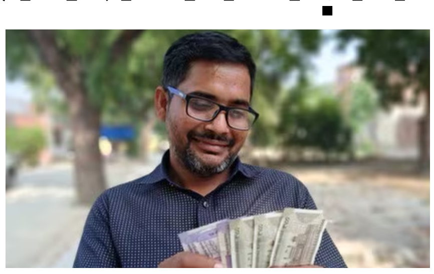

नई दिल्ली (एजेंसी)। सत करतार शॉपिंग लिमिटेड को एक बार फिर से निवेशकों में खरीदने की होड़ सी दिख रही है। यही वजह है कि बीते 2 कारोबारी दिन के दौरान कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर एनएसई में कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की उछाल के बाद 173.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। बता दें, कंपनी की शेयर बाजारों में लिस्टिंग 90 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 153 रुपये पर हुई थी। कंपनी का आईपीओ जब आया था उसका प्राइस बैंड 81 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

एनएसई के डाटा के अनुसार 19 फरवरी को कंपनी के शेयरों का भाव 158.70 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर था। 20 फरवरी को कंपनी के शेयर 165.25 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। वहीं, 21 फरवरी को 173.50 रुपये के लेवल पर पहुंचने में सफल रहा था। बता दें, 17 फरवरी से कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली थी।

6 फरवरी को कंपनी के शेयर 233.30 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। तब से कंपनी के शेयरों में उठा-पटक का दौर जारी है। हालांकि, जिस तरह से घरेलू शेयर बाजार का माहौल है उस हिसाब से कंपनी के शेयरों को इस स्तर पर पहुंचना आसान नहीं होगा।

Sat Kartar Shopping का आईपीओ 10 जनवरी को खुला था। कंपनी के आईपीओ का साइज 33.80 करोड़ रुपये का था। यह आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित था। बता दें, निवेशकों के पास आईपीओ पर 14 जनवरी तक दांव लगाने का मौका था।

3 दिन के ओपनिंग के दौरान आईपीओ को 332 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला था। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 250 गुना सब्सक्राइब किया गया था। बता दें, कंपनी ने आईपीओ के लिए 1600 शेयरों का एक लॉट बनाया था।

ड्रोन बनाने वाली डिफेंस सेक्टर की कंपनी को लेकर एक्सपर्ट बुलिश, बोले खरीद लो

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस सेक्टर की ड्रोन बनाने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजीज के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस बुलिश नजर आ रहे हैं। कंपनी के नजरिए से दिसंबर तिमाही काफी अच्छी रही थी। सालाना आधार पर जेन टेक्नोलॉजीज के नेट प्रॉफिट में 22 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला था। जेन टेक्नोलॉजीज का नेट प्रॉफिट अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक 38.62 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 31.67 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, तिमाही दर तिमाही के आधार पर नेट प्रॉफिट में 40 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। दूसरे क्वार्टर में कंपनी का नेट प्रॉफिट 65.24 करोड़ रुपये रहा था।

तीसरे क्वार्टर में कंपनी का रेवन्यू 141.52 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवेन्यू में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। एक साल पहले क्वार्टर में कंपनी का रेवन्यू 98.08 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, तिमाही दर तिमाही आधार पर जेन टेक्नोलॉजीज का रेवन्यू 44 प्रतिशत लुढ़का है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सावधान! हर तीसरे-चौथे रोगी को दी जाने वाली मल्टीविटामिन टेबलेट पाई गई अमानक

भोपाल। मेडिकल कॉलेज से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक हर तीसरे-चौथे रोगी को दी जाने वाली मल्टीविटामिन टेबलेट अमानक पाई गई है। गुणवत्ता जांच में स्ट्रिप से निकालने पर यह दवाएं फूटी हुई मिलीं। इस दवा में सभी तरह के विटामिन्स के अतिरिक्त कैल्शियम और फोलिक एसिड का मिश्रण है। कोटेक हेल्थ केयर कंपनी ने यह दवा आपूर्ति की थी, जिसका बैच नंबर सीएचटी 40560 और एक्सपायरी अक्टूबर 2025 है।बता दें कि सभी विभागों के डाक्टर किसी भी बीमारी में मूल दवाओं के

साथ ही हर तीसरे-चौथे रोगी को ये दवाएं अवश्य लिखते हैं।

भर्ती रोगियों के लिए तो यह दवाएं और आवश्यक होती हैं।

इसके अतिरिक्त स्पाइनल एनेस्थीसिया के लिए उपयोग होने वाला बूपीवाकाइन डेक्सट्रोज 80 एमजी इंजेक्शन अमानक पाया गया है।सिविल सर्जन उज्जैन द्वारा केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला कोलकाता को भेजे गए सैंपल की जांच में इसके दो अलग-अलग बैच अमानक मिले हैं।

इनमें एक की एक्सपायरी तिथि मई 2026 और दूसरे की अगस्त 2026 है। इस इंजेक्शन का उपयोग छोटी-बड़ी सर्जरी के दौरान सुन्न करने के लिए किया जाता है।

अस्पताल ले जाते वक्त ट्राले से टकराई कार... पांच की मौत

खंडवा । तेज रफ्तार ट्राले और बोलरों की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं दो घायलों को उपचार के लिए सनावद अस्पताल में भर्ती किया गया। हादसा पुनासा रोड पर शनिवार रात करीब 10 बजे सुलगांव के पास हुआ। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे को लेकर लोगों ने आक्रोश जताया और पुलिस को भी घेरा।

बोलेरो कार क्रमांक एमपी 08-टी-2524 कार गुना रजिस्टर्ड है। बताया जाता है कि कार में पुनासा के पास ग्राम गोराड़िया का परिवार बैठा हुआ था। परिवार की एक महिला ने किसी कारण से घर में जहर पी लिया था। उसे कार से सनावद अस्पताल लेकर जा रहे थे।टक्कर के बाद सड़क से नीचे उतर गई कार

कार में महिला सहित करीब सात लोग सवार थे। वहीं ढाला क्रमांक एमपी 08-जेडएफ-2278 सनावद से पुनासा की और जा रहा था। सुलगांव के पास पेट्रोल पंप के सामने (सनावद तरफ) ट्राले से आमने सामने की टक्कर के बाद कार सड़क से नीचे उतर गई। वहीं ट्राला भी सड़क पर आड़ा हो गया।

ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। पुलिस को भी खरी-खोटी सुनाई। बताया जा रहा है कि कार पर मप्र शासन लिखा हुआ था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

धार में खनिज जांच चौकी पर तैनात कर्मचारियों पर रेत माफिया का हमला, छह घायल

धार। कुक्षी थाना क्षेत्र के ग्राम आली स्थित खनिज जांच चौकी पर तैनात निजी कर्मचारियों पर रेत माफिया ने शुक्रवार को प्राणघातक हमला कर दिया। लाठी, डंडे, लोहे के पाइप व धारदार हथियारों से मारपीट की। इससे कर्मचारियों को गंभीर चोटें आई हैं। एक कर्मचारी का पैर फ्रैक्चर हो गया है।

रेत माफिया की दबंगई यहीं नहीं रुकी, उन्होंने चौकी पर जमकर उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ भी की और सीसीटीवी में घटनाक्रम कैद न हो जाए, इसलिए सीसीटीवी को भी तोड़ दिया।हालांकि एक सीसीटीवी कैमरे में पूरा घटनाक्रम कैद हो गया है। फुटेज में बदमाश कर्मचारी पर पथराव करते भी नजर आ रहे हैं। पुलिस ने शनिवार को प्रकरण दर्ज किया।

चेकिंग वाले कर्मचारियों पर हमला

ग्राम आली में शिवा धनलक्ष्मी कंपनी द्वारा रेती गिट्टी मुरम समेत खनिजों की रायल्टी जांच करने का ठेका लिया गया है। यहां पर चेकिंग करने वाले कर्मचारी पुष्पेंद्र भीकम सिंह चौहान, हरेंद्र सिंह दीप सिंह, सोहन सिंह जगबीर सिंह, तसनाम सिंह, मलकिन सिंह, निर्मल सिंह, सिमरन सिंह ड्यूटी पर थे।

इसी दौरान दो स्कार्पियो वाहन और एक बिना नंबर की कार में आए रेत माफिया के गुंडों ने कर्मचारियों पर लाठी-डंडों से कर्मचारियों से मारपीट की। सचिन, बबलू और अन्य तीन आरोपित बताए जा रहे है। इन आरोपितों की पहचान भी कर ली है।

पीएम मोदी ने मन की बात में की देवास जिले के पोल वाल्ट खिलाड़ी देव कुमार मीणा की तारीफ

देवास । देवास जिले के खातेगांव क्षेत्र के गांव सिल्फोडखेड़ा के किसान के बेटे 19 वर्षीय देव कुमार मीणा का देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मन की बात कार्यक्रम में जिक्र किया। देव कुमार ने पिछले दिनों 38वें राष्ट्रीय खेलों में देहरादून में शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल वाल्ट में 5.32 मीटर ऊंची छलांग लगाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता था।

देव ने शिवा सुब्रमण्यम का वर्ष 2022 में बनाया गया 5.31 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा था। देव के पिता जगदीश पटेल किसान हैं। करीब 4 साल पहले टैलेंट सर्च के जरिए देव का चयन मध्य प्रदेश एथलेटिक अकादमी के लिए हुआ था।देव के प्रशिक्षण के लिए पिछले दिनों क्यूबा से कोच बुलवाया गया था। देव राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक पोल वाल्ट में जीत चुके हैं। अब उनका लक्ष्य एशियाई एथलेटिक चैंपियनशिप के लिए पात्रता हासिल करना है। इसके लिए 5.51 मीटर की ऊंची छलांग लगाना जरूरी है।

शुरू में कर रहे थे स्प्रिंट रेस की तैयारी देव ने खेल की शुरुआत स्प्रिंट रेस से की थी। शुरू में उसी की तैयारी भी कर रहे थे, लेकिन बाद में कोच ने जब उनकी ऊंचाई की कूदने की अधिक क्षमता को देखा तो फिर पोल वाल्ट का अभ्यास शुरू कराया। इसके कुछ महीनो के बाद ही देव ने 4.60 मीटर की ऊंची छलांग लगा ली थी।

गौतम अदाणी, कुमार मंगलम बिड़ला सहित 300 बड़ी कंपनियों के एमडी व सीईओ जुटेंगे भोपाल में

भोपाल। मध्य प्रदेश के लिए सोमवार और मंगलवार का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी, आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला, गोदरेज समूह के नादिर गोदरेज सहित देश की 300 बड़ी कंपनियों के अध्यक्ष, एमडी और सीईओ भोपाल में जुटेंगे।

24 और 25 फरवरी को यहां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में ये निवेशक और वक्ता के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं। इनमें कुछ की मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ अलग-अलग चर्चा भी होगी।हालांकि, मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी और बाबा रामदेव के आने का कार्यक्रम अभी निर्धारित नहीं हुआ है। प्रदेश में सात क्षेत्रीय इन्वेस्टर्स समिट (आरईएस) के बाद जीआईएस होने जा रही है। समिट में सात विभागीय सम्मेलन और 10 विशिष्ट सत्र होंगे। समिट के लिए कुल 31 हजार 659 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में पंजीकरण कराया है।ये बड़े उद्योगपति भी आएंगे

संजीव पुरी सीएमडी आइटीसी लिमिटेड, अश्विनी अरोडा एमडी दावत फूडस, रघुपति सिंघानिया सीएमडी जेके टायर, बालकृष्ण गोयनका अध्यक्ष, वेल्सपेन वर्ल्ड, सुनील बजाज कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य बिड़ला ग्रुप, सतीश पई एमडी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एम के अग्रवाल एमडी ग्रासिम इंडस्ट्री, कैलाश झावर एमडी अल्ट्राटेक सीमेंट, बाबा एन कल्याणी, सीएमडी भारत फोर्स लिमिटेड, चंद्रजीत बनर्जी डीजीसीआइआइ, राघवपत सिंघानिया, एमडी जेके सीमेंट, विनोद अग्रवाल एमडी एवं सीईओ वी कमार्शियल व्हीकल्स, पुनीत डालमिया सीईओ डालमिया सीमेंट, सुधीर मेहता सीएमडी पिनेकल इंडस्ट्रीज, कुमार वेंकर सुब्रमण्यम एमडी प्राक्टर एंड गैंबल, अभय फिरोडिया अध्यक्ष फोर्स मोटर्स, सुचिता ओसवाल जैन उपाध्यक्ष वर्धमान, हिरोशी योशिजाने एमडी ब्रिजस्टोन इंडिया, रवि झुनझुनवाला सीएमडी एचईजी, रंजिदर गुप्ता ट्राइडेंट ग्रुप आदि शामिल होंगे।ये प्रमुख सत्र और सम्मेलन होंगे

प्रमुख सत्रों में फार्मा एवं मेडिकल डिवाइस, परिवहन एवं लाजिस्टिक्स, कपड़ा उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, कौशल विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन, खनन, एमएसएमई, शहरी विकास और प्रवासी मध्य प्रदेश शामिल हैं।

इन सत्रों में विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर री आंगस्ते टानो कूआमे, बार्कलेज के ग्लोबल हेड आनंद चित्रे, आइटीईएएस सिंगापुर के सीओओ लिम बून तियोंग, हीरा नंदानी डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक निरंजन हीरानंदानी, सिस्को इंडिया की डेजी चित्तिला पिल्लई, डीएलएफ ग्रुप के अध्यक्ष राजीव सिंह, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के रोशो राज श्रेष्ठ जैसे वक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे।

इंडस्ट्री 5.0 के युग में एआई– मानव सहयोग की नई संभावनाओं पर पीआईएमआर में अंतरराष्ट्रीय मंथन

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर द्वारा इंडस्ट्री 5.0 के युग में मानव-मशीन समन्वय और भविष्य की दिशा विषय पर आयोजित 20वें वैश्विक सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 150 से अधिक शिक्षाविदों, प्रबंधन विशेषज्ञों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन एवं प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. डेविश जैन के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने इंडस्ट्री 5.0 को सिर्फ एक तकनीकी परिवर्तन नहीं, बल्कि मानवता और मशीन के बीच समन्वय स्थापित करने की नई क्रांति बताया।

डॉ जैन ने कहा कि इंडस्ट्री 5.0 हमें यह सिखाता है कि तकनीक को केवल स्वचालन और दक्षता तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे मानवीय संवेदनाओं, नवाचार और आत्मनिर्भरता से जोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में इस क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

पीआईएमआर के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस.एस. भाकर ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह

सम्मेलन नई पीढ़ी को भविष्य के उद्योगों के लिए तैयार करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

इंडस्ट्रियल क्रांतियों से सीखें और आगे बढ़ें -डॉ. अर्पण भारद्वाज- विक्रम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ. अर्पण भारद्वाज ने उद्घाटन भाषण में औद्योगिक क्रांति 1.0 से 5.0 तक की यात्रा का उल्लेख किया और बताया कि यह बदलाव कैसे समाज और उद्योगों को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कि औद्योगिक क्रांति 1.0 ने मशीनों को जन्म दिया, 2.0 ने उत्पादन बढ़ाया, 3.0 ने स्वचालन लाया और 4.0 ने स्मार्ट तकनीक को उन्नत किया। लेकिन 5.0 सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि मानव-केंद्रित क्रांति है, जहां मशीनें हमारी सहायता करेंगी, न कि हमें प्रतिस्थापित करेंगी।

प्रेस्टीज ग्रुप के वैश्विक राजदूत और डिप्लोमैट प्रो. सिद्धार्थ राजहंस ने इंडस्ट्री 5.0 के तकनीकी बदलावों पर गहन चर्चा की। उन्होंने वेब 1.0 से वेब 3.0 तक की यात्रा को समझाते हुए बताया कि आने वाले समय में मशीनें अधिक उन्नत होंगी, लेकिन हमें अपनी मानवीय क्षमताओं को बनाए रखना होगा।

प्रो राजहंस कि हम डिजिटल युग में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि टेक्नोलॉजी इंसानों के लिए बनी है, न कि इंसान टेक्नोलॉजी के लिए। मशीनों को मानवता के पूरक के रूप में देखा जाना चाहिए, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं।

सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट डॉ. सूरज सिंह ने एआई और नैतिकता पर चर्चा करते हुए तकनीकी प्रगति और भारतीय दर्शनशास्त्र के बीच संतुलन पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जीवन के चार उद्देश्यों ङ्क धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को तकनीकी युग में भी बनाए रखना आवश्यक है। तकनीक हमें बेहतर बना सकती है, लेकिन हमें इसे अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने ढ्ढ की शक्ति और उसकी सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब तक मशीनों में मानवीय नैतिकता का समावेश नहीं होगा, तब तक वे पूर्ण नहीं हो सकतीं।

एनएमआईएमएस के मैनेजमेंट एजुकेशन प्रोवोस्ट और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के डीन डॉ. जस्टिन पैपल ने तकनीक के लाभ और उसके संभावित दुष्प्रभावों पर विचार साझा किए।

उन्होंने कहा कि तकनीक का सही उपयोग हमें आगे ले जा सकता है, लेकिन इसका दुरुपयोग नैतिक मूल्यों को प्रभावित कर सकता है।

डॉ पैपल ने जापान और दक्षिण कोरिया की तकनीकी प्रगति का उदाहरण देते हुए भारत को इससे सीखने और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

इंदौर जिले के नवीनीकरण से शेष रहे 24 मदिरा एकल समूहों का लॉटरी के माध्यम से होगा निष्पादन

इंदौर। वर्ष 2025-26 हेतु घोषित आबकारी नीति के अनुसार इंदौर जिले के नवीनीकरण से शेष रहे 24 मदिरा एकल समूहों का वर्ष 2025-26 हेतु लॉटरी के माध्यम से निष्पादन हेतु पात्र व्यक्ति/फर्म/एल.एल.पी. कंपनी/कन्सॉर्टियम आदि 27 फरवरी 2025 दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित प्रक्रिया एवं शुल्क जमा कर एनआईसी के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन अथवा विभाग द्वारा निर्गत ऑफलाईन लॉटरी आवेदन पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी जिला इंदौर से प्राप्त कर सकते है। नवीनीकरण के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों तथा अन्य आवेदकों से प्राप्त लॉटरी आवेदन पत्रों को सम्मिलित करते हुये, समग्र में यदि जिले में संचालित कम्पोजिट मदिरा दुकान के समूहों के आरक्षित मूल्य का 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक राशि के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो ऐसी समस्त आवेदित कम्पोजिट मदिरा दुकान समूहों का निष्पादन जिला निष्पादन समिति द्वारा पात्र आवेदकों के हित में किया जाएगा।

लॉटरी के माध्यम से निष्पादित होने वाली मदिरा दुकानों के एकल समूहों के संबंध में आवश्यक जानकारी जिसमें मदिरा की दुकानों/एकल समूहों के नाम, उनका स्थान, उनका आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि देशी एवं विदेशी मदिरा की खपत हेतु सेल पेपर आदि पोर्टल https://mptenders.gov.in पर भी अपलोड घोषित की जाएगी। कोई भी सामान्य व्यक्ति https://mptenders.gov.in के होमपेज पर लाइव टेंडर के ऑप्शन के अंतर्गत आबकारी विभाग के अंतर्गत संबंधित जिले का चयन कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी 24 फरवरी को करेंगे जीआईएस–2025 का शुभारंभ

इंदौर। भोपाल में 24-25 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 से मध्यप्रदेश , औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। इस समिट का उद्देश्य निवेशकों को प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं से अवगत कराते हुए, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश को एक फेवरेट इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है।

समिट का शुभारंभ 24 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में करेंगे। शुभारंभ कार्यक्रम सुबह 10 बजे से 11:15 बजे तक चलेगा। भोपाल जीआईएस का समापन समारोह 25 फरवरी को गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में शाम 4:30 से 6 बजे तक आयोजित होगा।

समिट में भागीदारी- इस समिट में देश-विदेश के उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां और नीति-निर्माता शामिल होंगे।

कुल 31 हजार 659 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में पंजीकरण कराया है। इसमें उद्योग जगत के लगभग 3 हजार 903 विशेष आमंत्रित एवं डेलीगेट्स 8046 रहेंगे। इसमें 300 से अधिक गेस्ट ऑफ ऑनर, 133 अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभागी 3398 स्टार्ट-अप्स के प्रतिनिधि, 562 एनआरआई एवं मध्यप्रदेश प्रवासी, विभिन्न उद्योग संघों के 249 प्रतिनिधि और विभिन्न सत्रों एवं विभागीय समिट्स में 10491 प्रतिभागी शामिल होंगे।

प्रमुख उद्योगपतियों की उपस्थिति- समिट में भारत की अग्रणी कंपनियों के 300 से अधिक अध्यक्ष, एमडी और सीईओ उपस्थित रहेंगे। इनमें श्री गौतम अडानी (अध्यक्ष, अडानी समूह), श्री कुमार मंगलम बिरला (अध्यक्ष, आदित्य बिड़ला समूह), श्री संजीव पुरी (सीएमडी, आईटीसी लिमिटेड), श्री नादिर गोदरेज (सीएमडी, गोदरेज इंडस्ट्रीज श्री अश्विनी अरोडा (एमडी) दावत फूडस श्री रघुपति सिंघानिया, सीएमडी जेके टायर श्री बालकृष्ण गोयनका अध्यक्ष, वेल्सपेन वर्ल्ड, श्री सुनील बजाज कार्यकारी अध्यक्ष श्री आदित्य बिडला, श्री सतीश पई एमडी हिंलातकों इंडस्ट्री, श्री एम के अग्रवाल, एमडी ग्रासिम इंडस्ट्री श्री कैलाश झावर, एमडी अल्ट्राटेक सीमेंट, श्री बाबा एन कल्याणी, सीएमडी भारत फोर्स लिमिटेड, श्री चंद्रजीत बनर्जी, डीजीसीआईआई, श्री कार्तिक भारत राम, संयुक्त एमडीएसआरएफ लिमिटेड, श्री आंद्रे एक होल्ट एमडी हेटिच इंडिया प्रायवेट लिमिटेड, श्री राघवपत सिंघानिया, एमडी जेके सीमेंट, श्री विनोद अग्रवाल, एमडी एवं सीईओ वी कमार्शियल व्हीकल्स, श्री पुनीत डालमिया सीईओ डालमिया सीमेंट, श्री सुधीर मेहता, सीएमडी पिनेकल इंडस्ट्रीज श्री कुमार वेंकर सुब्रमण्यम, एमडी प्रॉक्टर एंड गैंबल, श्री अभय फिरोडिया, अध्यक्ष फोर्स मोटर्स, श्रीमती सुचिता ओसवाल जैन, उपाध्यक्ष वर्धमान, श्री हिरोशी योशिजाने, एमडी ब्रिजस्टोन इंडिया, श्री रवि झुनझुनवाला, सीएमडी एचईजी श्री रंजिदर गुप्ता ट्राइडेंट ग्रुप, श्री राहुल संघवी, निर्देशक संघवी फूड्स, श्री वीर एस अडवणी, सीएमडी ब्लू स्टार, श्री पार्थ प्रतिम सेन गुप्ता, एमडी एवं सीईओ बंधन बैंक एवं श्री इंगो सोलर, सीईओ टीडब्लूई ओबीटी शामिल है।

प्रमुख सत्र और सम्मेलन- समिट के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 7 विभागीय सम्मेलन और 10 विशिष्ट सत्र आयोजित किए जाएंगे।

24 एवं 25 फरवरी भोपाल का नया इतिहास लिखेगी जीआईएस - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के कैपिटल सिटी भोपाल में जीआईएस का आयोजन पहली बार हो रहा है। आने वाली 24 एवं 25 फरवरी भोपाल शहर के लिए एक नया इतिहास लिखने वाली है। हम सब अतिथियों और निवेशकों के स्वागत के लिए तैयार हैं । ये सिर्फ सरकार का नहीं, हम सबका आयोजन है। इसमें सबकी भागीदारी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के लिए चल रही व्यापक तैयारियों का मुआयना लिया। उन्होंने कहा कि निवेशक हमारे विशेष मेहमान हैं, उनके स्वागत में हम कोई भी कमी नहीं रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मानव संग्रहालय के सम्पूर्ण परिसर का निरीक्षण कर जीआईएस की तैयारियों का बारीकी से मुआयना किया। साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम स्थल में आगमन से लेकर प्रस्थान तक की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए जीआईएस परिसर में ही तैयार किए गए लाऊंज का मुआयना किया। इसके बाद कार्यक्रम के लिए तैयार किए गए मुख्य सभागार (सबसे बड़े डोम) में पहुंचकर मंच, अतिथियों एवं निवेशकों के लिए बैठक व्यवस्था देखी। उन्होंने डोम में ही मंच के सामने निवेशकों के लिए आरक्षित सीटों पर स्वयं बैठकर दृश्य एवं श्रव्य व्यवस्था का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदेशों से आने वाली डेलीगेट्स के लिए अलग से बैठक व्यवस्था की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम में किसी भी तरह का तकनीकी व्यवधान न आने पाए। साउंड सिस्टम और बेहतर करें। पेयजल की भी समुचित व्यवस्था करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय और प्रमुख सचिव औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह कहा कि मानव संग्रहालय के आंतरिक परिसर का और अधिक सौन्दर्यीकरण किया जाए। यहां देर शाम तक इवेंट्स होने हैं, इसलिए पर्याप्त रौशनी, सूचना पट्टिकाएं और सुगम यातायात की व्यवस्था की जाए। किसी को भी परेशानी न हो। प्रमुख सचिव श्री सिंह ने मानव संग्रहालय के सम्पूर्ण परिसर में जीआईएस के मद्देनजर की गई सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी सहित व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

इन्वेस्टर्स समिट के लिए इंदौर में व्यापक तैयारियां जारी

इंदौर। भोपाल में आयोजित होने वाली मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए व्यापक तैयारियां जारी है यह समिट भोपाल में 24 एवं 25 फरवरी को आयोजित होगी। जिसमें देश व विदेश से इन्वेस्टर शामिल होंगे। अनेक इन्वेस्टर इंदौर होकर भोपाल जाएंगे। जिनके स्वागत के लिए इंदौर एयरपोर्ट पर व्यापक तैयारियां की गई है। मेहमानों का भारतीय परंपरा अनुसार तिलक व मालवी पगड़ी पहनाकर स्वागत व सत्कार किया जायेगा।सेल्फी प्वाइंट भी- इंदौर यात्रा की स्मृति को सहजने के लिए एक सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया है। जिसमें इंदौर की खासियत राजवाड़ा की प्रतिकृति बनाई गई है। उद्योगपति अपनी सेल्फी लेकर इंदौर की यात्रा को सहेज सकते हैं।

भोपाल की इन्वेस्ट समिट में इंदौर संभाग से सैकड़ों की संख्या में उद्योगपति होंगे शामिल-तलाशेंगे निवेश की संभावनाएं

इंदौर। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए भोपाल में 24 एवं 25 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट में इंदौर संभाग में भी निवेश की अपार संभावनाएं बन रही है। इंदौर संभाग में निवेश के लिए हर तरह का अनुकूल वातावरण, सुविधा और संसाधन उपलब्ध है। भोपाल की इन्वेस्ट समिट में इंदौर संभाग के सैकड़ों उद्योगपति शामिल होंगे और निवेश की संभावनाएं तलाशेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर क्षेत्र के उद्योगपतियों को इन्वेस्ट समिट में शामिल होने का न्योता देने के लिए स्वयं इंदौर आए थे। उन्होंने उद्योगपतियों से इन्वेस्ट समिट में शामिल होने और निवेश करने का आह्वान किया था। बताया गया कि इंदौर संभाग के झाबुआ, अलीराजपुर सहित सभी जिलों के सैकड़ों की संख्या में उद्योगपति इन्वेस्ट समिट में शामिल होंगे।

जय श्री महाकाल ...

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

बेटी ही संपूर्ण संसार और परिवार में साक्षात लक्ष्मी का स्वरूप होती है-पं. कमलेश

उज्जैन। समीपस्थ ग्राम दौलतपुर, झीतरखेड़ी और खेड़ा चितावलिया के मध्य स्थित अतीप्राचीन श्री डुण्डेश्वर महादेव देवनारायण महाराज मंदिर स्थित श्री डुण्डेश्वर महादेव देवनारायण महाराज मंदिर यज्ञ समिति के तत्वावधान में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा एवं रूद्र यज्ञ महोत्सव का रविवार को तृतीय दिवस रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने पहुंचे। सर्वप्रथम कथा के यजमान पवन आंजना ने अपने परिवार और मंदिर समिति सदस्यों को साथ लेकर श्री बाल- गोपाल कृष्णजी एवं व्यासपीठ का पूजन करते हुए कथावाचक संत कमलेश भईजी को तिलक लगाकर तृतीय दिवस कथा की शुरुआत की। कथा रोजाना दोपहर 12 से 03 बजे तक चलेगी। कथावाचक संत कमलेश भईजी ने श्रद्धालुओं को तृतीय दिवस

कथा का श्रवण करवाते हुए बताया कि बेटी ही संपूर्ण संसार और परिवार में साक्षात लक्ष्मी का स्वरूप होती है। बेटी के बिना संपूर्ण संसार और परिवार अधूरा रहता है। जिसके परिवार में बेटी है, वह परिवार हमेंशा खुशहाली और सुख- समृद्धि से भरपूर रहता है। लेकिन आज के युग में बेटियों की भ्रूण हत्याएं की जा रही हैं, जो भी बेटियों को मार रहे है, वह मनुष्य बहुत बड़ा पापी हैं, और वह मनुष्य अपने जीवन में कभी सुखी भी नहीं रह सकता है। इस मौके पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष पं. राजेश जोशी, जिला महासचिव अश्विन चौपड़ा, दिपांशु जैन आदि ने व्यासपीठ का पूजन कर पं. कमलेश भईजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। अंचल के हजारों श्रद्धालुजनों ने बड़ी शांति और सद्भावना के साथ झुमते-गाते हुए कथा का श्रवण कर आनंद लिया। कथा समापन के उपरांत भागवत जी की आरती कर प्रसादी बांटी। इस दौरान मंदिर समिति अध्यक्ष पदमसिंह पटेल, भेरूलाल पंडाजी, मानसिंह गामी, डॉ. अमृतलाल पाटीदार, डॉ. गजराजसिंह सोलंकी, भुवानसिंह पटेल, सेवाराम आंजना, हेमेंद्र पाटीदार, बनेसिंह खींची, दिलीपसिंह खींची, दिलीपसिंह पंवार, तेजसिंह पटेल, बद्रीलाल गुर्जर, जीवनसिंह आंजना, गोकुलसिंह राठौर सहित श्री डुण्डेश्वर महादेव देवनारायण महाराज मंदिर यज्ञ समिति के सदस्यगणों के साथ घट्टिया, बिछड़ौद, जलवा, कालूखेड़ी, झीतरखेड़ी, खेड़ा चितावलिया सहित अन्य गांवों के हजारों श्रद्धालुजन आदि मौजूद रहे।

इधर सप्त दिवसीय आयोजन के अंतर्गत रविवार से अग्निस्थापना के साथ रूद्र यज्ञ की भी शुरूआत हुई।

ग़ज़लांजलि की बसन्त काव्य-गोष्ठी आयोजित

उज्जैन। दशहरा मैदान के रूपांतरण हाल पर गज़लांजलि साहित्यिक संस्था की काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में बसंत गोष्ठी का प्रारम्भ करते हुए सत्यनारायण सत्येन्द्र ने कविता सुनो सुनो धीरे-धीरे बसंत आ रहा है, शीत का दौर धीरे-धीरे जा रहा है... पढ़ी। डॉ. हरिमोहन बुधौलिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्था के सभी कवियों को शुभकामनाएं दी हैं।

गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए अशोक रक्ताले ने वसंत पर गीत लुकछुप अमराई में कोयल मीठे-मीठे गाती है... सुनाया। विनोद काबरा ने पतझड़ के पश्चात आते वसंत के लिए अपनी रचना शून्य ही जीवन का विस्तार है, शून्य ही विकास का आधार है...पढ़ी।

डॉ. विजय सुखवानी ने बसंत में विरह ही वेदना को अपनी ग़ज़ल में प्रस्तुत करते हुए कहा कि इंसान की हर ख्वाहिश तो पूरी होती नहीं, हर अर्जी की किस्मत में मंजूरी होती नहीं... बसंत का आनंद लेता है तो गाँव घूम कर देखो यही भाव लिए रामदास समर्थ ने गीत पीली सरसों बीच खिली सूरजमुखी साथ चढ़ा सूरज देखना है तो चलते चले आना गाँव मेरे... सुनाया। आरिफ़ अफ़ज़ल की अभिव्यक्ति उनकी ग़ज़ल कुछ ज़ख्म कहाँ दोस्त रिसते हुए दिखते हैं, टूटे हुए लोग भी हँसते हुए दिखते हैं... में देखने मिली। विजयसिंह गहलोत साकित ने मुख़्तसर मेरी ज़िन्दगानी है, फ़कत आँसू भरी कहानी है... पढ़ी। डॉ. रामप्रकाश तिवारी ने अपनी कविता जब-जब याद किया माँ तुमको अपने भीतर पाया, दीपशिखा की ज्योति दिखी तुम जब-जब दीप जलाया... से माँ को याद किया तो अंतिम रचना पाठ करते हुए आशीष अश्क ने ग़ज़ल हमने देखा ख़ुशी भी छुपकर कराती है मदद ग़मों की दिल पे अक्सर छाने में... पढ़ी। गोष्ठी के अंत में कवि दिलीप जैन के पिता स्व. श्री भँवरलाल जी जैन को दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

हरसिद्धि मंदिर में हुआ हल्दी मेहंदी का आयोजन

उज्जैन। विगत दिवस हरसिद्धि मंदिर के विक्रमादित्य हाल में शिव नवरात्रि के उपलक्ष्य में सभी महिला भक्तों के द्वारा भक्ति भाव से हल्दी मेहंदी भजन संगीत का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हरसिद्धि मंदिर के महंत राजू गोस्वामी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिसमें सभी महिलाओं ने मां हरसिद्धि का हल्दी मेहंदी से पूजन कर सभी में सद्भावना प्रसन्नता एवं सम्पन्नता की प्रार्थना की एवं भजन कीर्तन कर आनन्द उत्साह से नृत्य करते हुए धर्म लाभ अर्जित किया।

श्री त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर (छोटे महाकाल) में तीन दिवसीय शिवरात्रि महोत्सव 25 फरवरी से

उज्जैन। श्री त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर (छोटे महाकाल) फ्रीगंज में तीन दिवसीय शिवरात्रि महोत्सव 25 फरवरी से प्रारंभ होगा। महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी की शाम सवा क्विंटल फलों से महादेव का सेहरा सजेगा तथा छप्पन भोग अर्पित किये जाएंगे। शाम को महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण होगा। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर से 3 क्विंटल प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

मंदिर के पुजारी पं. शैलेन्द्र व्यास ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर 25 फरवरी को रूद्राभिषेक, लघुरूद्र का आयोजन होगा। वहीं 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर सुबह महादेव का पंचामृत अभिषेक और आरती के पश्चात खिचड़ी और ठंडाई वितरण प्रारंभ होगा। शाम 6 बजे सेहरा दर्शन होगा तथा रात 8 बजे महाआरती होगी। महाआरती पश्चात प्रसादी वितरण का आयोजन होगा। वहीं 27 फरवरी को सुबह आरती के पश्चात लड्डूओं का महाभोग लगेगा। पं. व्यास के अनुसार महोत्सव को लेकर मंदिर पर साज सज्जा की जा रही है, महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। साथ ही आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। इस दौरान हजारों भक्त बाबा के दर्शन कर धर्मलाभ लेंगे।

सांसद अनिल फिरोजिया ने किया स्व. श्री भूरेलाल जी फिरोजिया की स्मृति आयोजित निःशुल्क स्वास्थ एवं नेत्र परीक्षण शिविर का शुभारंभ

उज्जैन। सांसद श्री अनिल जी फिरोजिया द्वारा अपने पिता स्व. श्री भूरेलाल जी फिरोजिया (पूर्व विधायक एवं मीसाबंदी) की स्मृति में संस्था श्री भूरेलाल जी फिरोजिया सामाजिक एवं शोभ संस्था, उज्जैन द्वारा आयोजित स्वास्थ एवं नेत्र परीक्षण, चश्मा वितरण कार्यकम आज सरस्वती विद्या मंदिर, मारुतिगंज, पिपलीनाका, उज्जैन पर आयोजित किया गया इस शिविर अनुसूचित जाति/जनजाति/ सेवा बस्तियों के साथ वार्ड क्रमांक 02,08,10 के लगभग 1500 से अधिक नागरिकों निःशुल्क स्वास्थ्य, नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का लाभ लिया। इस कार्यक्रम की आरंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र के समुख दीपप्रज्वान कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री अनिल जी फिरोजिया ने कहा कि आदरणीय नरेंद्र मोदी का लक्ष्य हे कि वह देश के सबसे वंचित वर्ग को सरकार की योजनाओं लाभ सबसे पहले देना चाहते हैं वह सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की केवल बात नहीं करते वह उसे पूरा करने के लिए हमें प्रेरित भी करते हैं इसी को आत्मसार करते हुवे यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय डॉ मोहन यादव के साथ हम सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता दिन रात समाज के सभी वर्गो के विकास में सहयोग दे रहे हैं। अपने विशेषकर युवाओं से आवाहन किया कि आप सभी नियमित अंतराल से रक्त दान किया करे जिससे आवश्यकता मंद लोगों को समय पर रक्त मिल सके और उनका जीवन बच सके। अपने स्वयं का उदाहरण देते हुवे कहा कि मोदी जी से प्रेरणा लेकर मैने भी मृत्युपरांत अपना देह दान कर दिया है।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि श्री ओम जी जैन, पूर्व अध्यक्ष मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल, मंडल अध्यक्ष श्री रितेश जटिया, श्री रमेश शर्मा, वार्ड क्रमांक 02 ,08,10 के पार्षद श्री हेमंत गहलोत, गजेन्द्र हिरवे, श्री गबर भाटी के साथ मंडल एवं वार्ड के वरिष्ठ नेता/ कार्यकर्ता एवं नागरिकों के साथ शिविर का लाभ लेने वाले लाभार्थी उपस्थित थे।

यह शिविर जिला चिकित्सालय उज्जैन के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें मुख्य रूप से डॉ आभा जेथलिया, डॉ आशुतोष त्रिपाठी, गरिमा परिका के साथ सहयोगी श्री अशोक शर्मा, श्री पियूष शर्मा, श्री पियूष कामबाठ जी ने अपनी सेवा दी।

उज्जैन सीए ब्रांच 'स्पिरिचुअल लीडरशिप अवार्ड' से सम्मानित

उज्जैन। झांसी में आयोजित समारोह में 'उज्जैन सी ए ब्रांच' को 'स्पिरिचुअल लीडरशिप अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार आईसीएआई रीजनल काउंसिल' द्वारा वर्ष 2024 में ब्रांच द्वारा किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

ब्रांच चेयरमैन सीए भावेश नेरकर ने बताया कि हर वर्ष आईसीएआई द्वारा योग्य ब्रांचों को उनके वार्षिक कार्यों के आधार पर अवार्ड दिया जाता है और पहली बार उज्जैन ब्रांच को इस श्रेणी में यह सम्मान मिला। इस अवसर पर ब्रांच चेयरमैन सीए भावेश नेरकर और वाइस चेयरमैन सीए आकृत जैन ने उज्जैन ब्रांच की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य सीए सदस्य उपस्थित रहे। जिन्होंने उज्जैन ब्रांच के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की।ब्रांच इंचार्ज हसन चोबारावाला ने बताया कि इस वर्ष ब्रांच द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्य संपन्न किए गए, जिनमें 'भवन निर्माण हेतु शिलान्यास समारोह' सहित अनेक प्रमुख आयोजन शामिल रहे। चूंकि महाकाल दर्शन सभी भक्तों को आकर्षित करता है, इसी के चलते उज्जैन ब्रांच द्वारा पूरे देश से प्रतिष्ठित 'स्पीकर्स और आईसीएआई के पदाधिकारियों' को आमंत्रित किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com